हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 मार्च, 2000 (प्रथम बैठक)

खण्ड 1, अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 9 मार्च, 2000 (प्रथम बैठक)

पृश्ठ संख्या

घोशणाः–	
सचिव द्वारा	(1)1
सदस्यों द्वारा भापथ या प्रतिज्ञान	(1)1
सदस्य द्वारा त्यागपत्र	(1)6
अनुपस्थिति संबंधी सूचना	(1)7
अध्यक्ष का चुनाव	(1)7
बधाई भाशण	(1)9
उपाध्यक्ष के चुनाव सम्बन्धी घोशणा	(1)11

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 9 मार्च, 2000 (प्रथम बैठक)

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 11.00 बजे हुई। कार्यकारी अध्यक्ष (श्री भागी राम) ने 11.00 बजे से 12.50 बजे तक तथा तत्प चात् अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

सचिव द्वारा घोशणा

सचिवः मान्यवर, मुझे सदन को सूचित करना है कि हरियाणा के राज्यपाल ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 180(1) द्वारा उन्हें निहित भाक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री भागीराम, एम0एल0ए0 को हरियाणा विधानसभा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है।

मुझे सदन को यह भी सूचित करना है कि हरियाणा के राज्यपाल ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 188 द्वारा उन्हें प्रदत्त भाक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा विधान सभा के कार्यकारी अध्यक्ष की ऐसे व्यक्ति के रूप में नियुक्त किया है जिसके समक्ष हरियाणा विधान सभा का प्रत्येक सदस्य/सदस्या, अपना स्थान ग्रहण करने से पूर्व, भापथ लेगा/लेगी/प्रतिज्ञान करेगा/करेगी।

सदस्यों द्वारा भापथ या प्रतिज्ञान

श्री कार्यकारी अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, सर्व प्रथम मैं आप सभी को हरियाणा विधान सभा के सदस्य निर्वाचित होने पर अपनी तहेदिल से हार्दिक बधाई देता हूं तथा इस महान सदन में आप सबका हार्दिक अभिनन्दन करता हूं।

अब माननीय सदस्यगणों को भापथ दिलवायी जाएगी। भापथ या प्रतिज्ञान लेने तथा उस पर हस्ताक्षर करने के उद्दे य के लिए अब सदस्यों के नाम सचिव द्वारा पुकारे जाएंगे। माननीय सदस्यगण निन्नलिखित क्रम में भापथ या प्रतिज्ञान लेंगे तथा उस पर हस्ताक्षर करेंगे।

1. मुख्यमंत्री

2. मंत्री

3. सदस्याएं

4. अन्य माननीय सदस्य जिलावार वर्णानुक्रम से वर्णानुक्रमिक क्रम में, अर्थात्ः–

(क) अम्बाला जिला

(ख) भिवानी जिला

(ग) फरीदाबाद जिला

(घ) फतेहाबाद जिला

(ड़) गुडगांव जिला

(च) हिसार जिला

(छ) झज्जर जिला

(ज) जींद जिला

(झ) कैथल जिला

(ळ) करनाल जिला

(ट) कुरुक्षेत्र जिला

(ठ) महेन्द्रगढ़ जिला

(ड) पंचकुला जिला

(ढ) पानीपत जिला

(ण) रिवाड़ी जिला

(त) रोहतक जिला

(थ) सिरसा जिला

(द) सोनीपत जिला

(ध) यमुनानगर जिला

उन सदस्यों के नाम दोबारा अन्त में पुकारे जाएंगे जो प्रथम बुलावे पर भापथ नहीं ले सके या प्रतिज्ञान नहीं कर सके।

अब, सचिव सदस्यों को एक एक करके बुलाएंगे।

सचिवः माननीय मुख्यमंत्री श्री ओमप्रका ा चौटाला जी।

	मुख्य मंत्री	
1	श्री ओमप्रका ा चौटाला	नरवाना
	मंत्री	
2	श्री संपत सिंह	भट्ट कलां
3	श्री धीरपाल सिंह	बादली
4	श्री अ ाोक कुमार	थानेसर
5	श्री करतार सिंह भडाना	समालखा
6	श्री जसविन्द्र सिंह सन्धु	पेहवा
7	श्री मुन्नी लाल रंगा	बाबल (अनुसूचित जाति)
8	श्री मोहम्मद इलीयास	फिरोजपुर झिरका
9	श्री रिसाल सिंह	मुलाना (अनुसूचित

		जाति)
10	श्री सुभाश चन्द	हांसी
11	श्री बहादुर सिंह	लोहारू
महिला सदस्याएं		
12	श्रीमती अनीता	साल्हावास
13	श्रीमती सरिता	कलानौर (अनुसूचित जाति)
14	श्रीमती वीना	अम्बाला भाहर
15	श्रीमती विद्या देवी	दड़बाकलां
अम्बाला जिला		
16	श्री अनिल विज	अम्बाला कैन्ट
17	श्री जयबीर मलौर	नग्गल
18	श्री पवन कुमार	नारायणगढ़
भिवानी जिला		
19	श्री बंसीलाल	भिवानी
20	श्री धर्मवीर	तो ाम

21	श्री जगजीत	दादरी
22	श्री राम कि ान	बवानी खेड़ा (अनुसूचित जाति)
23	श्री रणबीर सिंह	बाढड़ा
24	श्री भाि ा रंजन पंवार	मूंढाल खूर्द
	फरीदाबाद जिला	
25	श्री भगवान सहाय रावत	हथीन
26	श्री चन्द्र भाटिया	फरीदाबाद
27	श्री कर्ण सिंह दलाल	पलवल
28	श्री कृश्ण पाल	मेवला महाराजपुर
29	श्री राजेन्द्र सिंह बिसला	बल्लभगढ़
30	श्री उदयभान	हसनपुर (अनुसूचित जाति)
	फतेहाबाद जिला	
31	श्री जरलैन सिंह	रतिया (अनुसूचित जाति)

32	श्री लीला कृश्ण	फतेहाबाद
33	श्री नि ान सिंह	टोहाना
गुड़गांव जिला		
34	श्री धर्मपाल	सोहाना
35	श्री गोपी चन्द	गुड़गांव
36	श्री हामिद हुसैन	नूंह
37	श्री रामबीर सिंह	पटौदी (अनुसूचित जाति)
38	श्री जाकिर हुसैन	तावडू
हिसार जिला		
39	श्री भजन लाल	आदमपुर
40	श्री जयप्रका ा	बरवाला
41	श्री ओमप्रका ा जिंदल	हिसार
42	श्री पूर्ण सिंह	धिराय
43	श्री रामभगत	नारनौंद
झज्जर जिला		

44	श्री दरयाव सिंह	झज्जर (अनुसूचित जाति)
45	श्री नफे सिंह	बहादुरगढ़
46	श्री रघुबीर सिंह	बेरी
	जींद जिला	
47	श्री भाग सिंह	उचाना कलां
48	श्री मांगे राम गुप्ता	जींद
49	श्री राम कुमार	राजौंद
50	श्री रामफल कुंडू	सफीदों
51	श्री भोर सिंह	जुलाना
	कैथल जिला	
52	श्री अमर सिंह ढांडे	गुहला (अनुसूचित जाति)
53	श्री दीना राम	कलायत (अनुसूचित जाति)
54	श्री लीला राम	कैथल

55	श्री रामपाल माजरा	पाई
56	श्री तेजवीर	पुंडरी
करनाल जिला		
57	श्री भीमसैन	इन्द्री
58	श्री धर्मपाल	नीलोखेड़ी
59	श्री कृशण लाल	असन्ध (अनुसूचित जाति)
60	श्री नफे सिंह	जुंडला (अनुसूचित जाति)
61	श्री रमे ा राणा	घरौंडा
कुरूक्षेत्र जिला		
62	श्री कपूर चन्द	भााहबाद
महेन्द्रगढ़ जिला		
63	श्री दान सिंह	महेन्द्रगढ़
64	श्री मूला राम	नारनौल
65	श्री नरेन्द्र सिंह	अटेली

पंचकूला जिला		
66	श्री चन्द्र मोहन	कालका
पानीपत जिला		
67	श्री बलबीर पाल	पानीपत
68	श्री सतबीर सिंह कादियान	नौलथा
रिवाड़ी जिला		
69	श्री अजय सिंह	रिवाड़ी
70	श्री इंद्रजीत सिंह	जाटूसाना
रोहतक जिला		
71	श्री बलबीर	महम
72	श्री बलवंत सिंह	हसनगढ़
73	श्री भूपेन्द्र सिंह	किलोई
74	श्री भाादी लाल	रोहतक
सिरसा जिला		
75	श्री लक्ष्मण दास अरोड़ा	सिरसा

76	श्री सीता राम	डबवाली (अनुसूचित जाति)
	सोनीपत जिला	
77	श्री देवराज दिवान	सोनीपत
78	श्री जीतेन्द्र सिंह	कैलाना
79	श्री पदम सिंह	रोहट
80	श्री रमे ा कुमार खटक	बडौदा (अनुसूचित जाति)
81	श्री राम कुमार	गोहाना
	यमुनानगर जिला	
82	श्री बलवंत सिंह	सढौर (अनुसूचित जाति)
83	श्री बन्ता राम	रादौर (अनुसूचित जाति)
84	श्री बिस लाल सैनी	जगाधरी
85	श्री जयप्रका ा	यमुनानगर
86	श्री कंवर पाल	छछरौली

सोनीपत जिला (पुनरारम्भ)		
87	श्री सूरज मल	राई

सदस्य द्वारा त्यागपत्र

श्री कार्यकारी अध्यक्षः हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 58(2) के परन्तुक के अधीन मुझे सदन को सूचित करना है कि श्री ओम प्रका ा चौटाला जो 10वीं हरियाणा विधान सभा के सदस्य के रूप में दो विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों से अर्थात् 45—नरवाना और 83—रोड़ी से निर्वाचित घोशित किये गये थे, ने 29 फरवरी, 2000 को रोड़ी विधान सभा क्षेत्र से अपना त्याग पत्र दे दिया था तथा तत्कालीन अध्यक्ष महोदय ने उक्त तिथि से उसे स्वीकार कर लिया था।

अनुपस्थिति संबंधी सूचना

श्री कार्यकारी अध्यक्षः दूसरी बात मुझे सदन को यह सूचित करनी है कि श्री जयप्रका ा जो करनाल विधान सभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं, की तरफ से मुझे एक पत्र प्राप्त हुआ है जिसमें उन्होंने इस सत्र में उपस्थित होने के लिए अपनी असमर्थता व्यक्त की है।

अध्यक्ष का चुनाव

श्री कार्यकारी अध्यक्षः सदस्यगण, अब अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। माननीय मुख्य मंत्री महोदय इसके लिए प्रस्ताव करेंगे।

मुख्य मंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं किः–

''श्री सतबीर सिंह कादयान, जो हरियाणा विधान सभा के सदस्य हैं, और सदन में उपस्थित हैं, सभा के अध्यक्ष के रूप में पीठासीन हों।''

मैं सारे सदन से अनुरोध करूंगा कि उन्हें यूनानिमसली अध्यक्ष पद के लिए चुना जाए।

श्री धर्मवीरः कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मेरी छोटी सी अर्ज है कि हरियाणा प्रांत में पंचायत में जब भी कोई अध्यक्ष पद के लिए चुना जाता है तो वह सबसे बुजुर्ग आदमी होता है। इसलिए इस सदन में चौधरी बंसीलाल जी सबसे बुजुर्ग हैं इसलिए मेरा अनुरोध है कि अगर उनको अध्यक्ष पद के लिए चुना जाए तो ठीक होगा।

श्री बंसी लालः कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मेरे से बुजुर्ग तो और भी सदस्य होंगे लेकिन मैं मुख्य मंत्री महोदय की बात से सहमत हूं कि अध्यक्ष पद के लिए चुनाव निर्विरोध होना चाहिए।

श्री भजन लालः कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, जैसा कि माननीय सदन के नेता ने अध्यक्ष के पद के लिए श्री सतबीर सिंह कादयान का नाम प्रस्तुत किया है। मैं इसकी ताईद करता हूं। श्री सतबीर सिंह कादयान जी काफी सुलझे हुए आदमी हैं और तीसरी बार इस सदन के सदस्य चुनकर आये हैं, उनका काफी लम्बा तजुर्बा है और मुझे पूर्ण आ ाा है कि वे सभी सदस्यों का पूरा ख्याल रखेंगे और सभी सदस्यों को एक आंख से देखेंगे और किसी के साथ भेदभाव नहीं करेंगे, सभी सदस्योंको इन्साफ देंगे। मैं चौटाला साहब से एक बात कहना चाहूंगा कि दे ा में यह परम्परा रही है कि स्पीकर सता पक्ष का बन जाये और डिप्टी स्पीकरका पद विपक्ष की बड़ी पार्टी का होना चाहिए। अगर आप यह बात मान सकते हैं तो बड़ी अच्छी बात होगी। आप हमारी पार्टी में से किसी भी सदस्य का नाम रख दें हम आपके कहे अनुसार उसी सदस्य को बना देंगे।

श्री कृशण पालः कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने जो अध्यक्ष पद के लिए श्री सतबीर सिंह कादयान जी का नाम प्रस्तुत किया है, मैं उनके नाम का समर्थन करता हूं।

श्री जगजीत सिंह सांगवानः कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने जो श्री सतबीर सिंह कादयान का नाम अध्यक्ष पद के लिए प्रस्तुत किया है, मैं उसका समर्थन करता हूं।

श्री कर्ण सिंह दलालः कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने अध्यक्ष पद के लिए श्री सतबीर सिंह कादया का नाम प्रस्तुत किया है, मैं भी उसका समर्थन करता हूं।

श्रीमती अनिताः कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मैं भी महिला सदस्याओं की तरफ से श्री सतबीर सिंह कादयान जी को अध्यक्ष पद पर बैठाने के लिए समर्थन करती हूं।

श्री राम भगतः कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मैं अपने निर्दलीय साथियों की तरफ से मुख्य मंत्री महोदय के प्रस्ताव का समर्थन करता हूं, इन्होंने एक अच्छे, काबिल और योग्य आदमी का नाम इस महान हाउस के अध्यक्ष पद के लिए प्रसतुत किया है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मैं भी अपनी पार्टी की तरफ से, जैसा कि हमारे नेता श्री भजन लाल जी ने कहा है, मुख्य मंत्री महोदय जी के प्रस्ताव का स्वागत करता हूं। इसमें कोई दो राय नहीं कि अध्यक्ष पद का चुनाव निर्विरोध होना चाहिए। इसके साथ–साथ एक अच्छा सुझाव हमारी पार्टी की तरफ से आया है कि उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को दें क्योंकि इस समय विपक्ष मजबूत भी है। हमारे इस सुझाव पर मुख्य मंत्री महोदय गौर करेंगे, भाायद वे यह कहेंगे कि पहले ऐसी प्रथा नहीं रही है। यह बात ठीक है कि हमारी पार्टी के राज में भी कभी ऐसा नहीं हुआ लेकिन कभी न कभी इस प्रथा को बदलना चाहिए। यह समय अच्छा है जब विपक्ष मजबूत है। इसलिए आप उपाध्यक्ष

का पद विपक्ष को दें और हम मिलजुल कर काम करेंगे। मुख्य मंत्री महोदय अपनी मर्जी से विपक्ष में से किसी एक को चुनकर उपाध्यक्ष का पद दें। यह प्रजातंत्र में मजबूत संकेत होगा और हरियाणा विकास करेगा। जैसा कि भजन लाल जी ने कहा कि अध्यक्ष महोदय को चाहिए कि वे सबको एक आंख से देखें, मैं कहना चाहूंगा कि एक आंख से नहीं दोनों आंखों से चारों तरफ देखें।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मैं भी सदन के नेता का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने अध्यक्ष पद के लिए श्री सतबीर सिंह कादयान के नाम का प्रस्ताव किया है। कादयान जी सदन के बहुत पुराने, अनुभवी और कर्मठ सदस्य रहे है। इसके साथ–साथ मैं सदन के नेता से निवेदन करता हूं कि पार्टियों से भी ऊपर उठकर भगवान की कृपा से जो निर्दलीय चुनकर आए हैं, उनमें से ही किसी को डिप्टी स्पीकर का पद दें क्योंकि निर्दलीय दूसरी पार्टियों के चुने हुए लोगों से कहीं ज्यादा महत्व रखते हैं। इसलिए सदन के नेता से मेरी प्रार्थना है कि, वैसे भी डिप्टी स्पीकर का पद निर्दलीय मैम्बर्ज के हिस्से में आता है, वह उन्हें दें।

श्री गोपी चन्द गहलोतः कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मैं भी बिसला जी की बात का पूरी तरह से समर्थन करता हूं कि डिप्टी स्पीकर की कुर्सी किसी निर्दलीय को ही मिलनी चाहिए तथा

मैं कादयान साहब के अध्यक्ष पद के लिए चुने जाने के प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

श्री उदय भानः कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मैं भी मुख्य मंत्री महोदय के प्रस्ताव का समर्थन करता हूं। श्री सतबीर सिंह कादयान जी एक सुलझे हुए तथा अनुभवी सदस्य हैं। जैसा कि मेरे साथियों ने कहा है कि उपाध्यक्ष महोदय का पद किसी भी निर्दलीय को दें तो मैं भी इसका समर्थन करता हूं।

श्री देवराज दीवानः कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने कादयान साहब का अध्यक्ष पद के लिए चुने जाने का जो प्रस्ताव रखा है मैं भी उसका समर्थन करता हूं तथा साथ ही बिसला जी ने जो प्रस्ताव रखा है कि किसी निर्दलीय को उपाध्यक्ष का पद दें, इस नई प्रथा की आज से भाुरूआत होनी चाहिए। मुख्यमंत्री महोदय महोदय जी इस बारे में सोचें। निर्दलीय मैम्बर्ज से मुख्य मंत्री महोदय सलाह करके किसी को चुन लें या फिर यहीं बैठे बैठे किसी का नाम ले लें। हाउस इससे सहमत होगा।

श्री दरियाव सिंहः कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मैं भी मुख्य मंत्री महोदय के प्रस्ताव का समर्थन करता हूं तथा साथ निवेदन करता हूं कि वे किसी आजाद मैम्बर को उपाध्यक्ष के पद के लिए चुन लें।

श्री कार्यकारी अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआः—

कि श्री सतबीर सिंह कादयान, जो हरियाणा विधान सभा के सदस्य हैं और सदन में उपस्थित हैं, सभा ` अध्यक्ष के रूप में पीठासीन हों। क्या कोई अन्य प्रस्ताव है ?

आवाजें: नहीं।

श्री कार्यकारी अध्यक्ष: क्योंकि सदन के समक्ष कोई दूसरा प्रस्ताव नहीं है, इसलिए मैं श्री सतबीर सिंह कादयान को विधिवत अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से निर्वाचित घोशित करता हूं तथा उनसे प्रार्थना करता हूं कि वे अपना स्थान ग्रहण करें। (तालियां)

(Sh. Satbir Singh Kadyan escorted by the Chief Minister, Sh. Bhajan Lal a member of the Indian National Congress party, Sh. Krishan Pal, a member of the Bhartiya Janata Party and Sh. Dev Raj Dewan, an independent member occupied the chair.)

बधाई भाशण

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मैं पूरे सदन का इस बात के लिए आभार व्यक्त करता हूं कि सभी सदस्यों ने पुरानी परम्परा को निभाते हुए सर्वसम्मति से इस सदन के अध्यक्ष के रूप में श्री सतबीर सिंह कादयान को सहयोग और समर्थन देने का आ वासन दिया। मैं अध्यक्ष महोदय से भी वि ोश रूप से अनुरोध करूंगा कि वे इस पद की गरिमा को बरकरार रखते हुए इस सम्मानित सदन के सभी सम्मानित सदस्यों

के साथ एक जैसा व्यवहार करेंगे और सभी सदस्यों को प्रजातांत्रिक प्रणाली को पूरी तरह से निभाने में छूट प्रदान करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको पूरे सदन की तरफ से आ वासन देना चाहूंगा कि सदन हर संभव प्रयास करेगा कि आपको पूरा सहयोग और समर्थन मिले। आप सबका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री भजन लाल (आदमपुर): अध्यक्ष महोदय, आपको सभी माननीय सदस्यों ने यूनानीमसली अध्यक्ष पद के लिए चुना है, इसके लिए मैं आपको तहे–दिल से मुबारकबाद देता हूं। आप बहुत ही सुलझे हुए व्यक्ति हैं। आपने जमाना देख है। इस हाउस को भी चलते हुए देखा है। आप सारी बातें अच्छी तरह से जानते हैं, समझते हैं। हम आपसे यह उम्मीद करते हैं कि आपके अध्यक्ष बनने से इस महान सदन में एक नया माहौल, नया वातावरण बनेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको अपने दल की तरफ से वि वास दिलाता हूं कि हमारा दल पूरी तरह से इस महान सदन की मर्यादा को निभाते हुए आपको पूरा सहयोग देगा और कोई भी ऐसी बात नहीं करेगा जिससे आप दुविधा में पड़ जाये। मैं अंत में यह जरूर कहूंगा कि आप अपनी दोनों आखों से चारों तरफ बराबर देखें और सभी सदस्यों को इंसाफ दें। हम परमात्मा से यह भी प्रार्थना करेंगे कि यह हाउस पूरे पांच साल तक चले। खूबसूरती के साथ चले। पुनः बधाई हो।

श्री बंसी लाल (भिवानी): अध्यक्ष महोदय, सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने पर मैं आपको बधाई देता हूं और मैं आपको

आ वासन देता हूं कि हमारे दल की तरफ से आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

श्री कृश्ण पाल (मेवला महाराजपुर): अध्यक्ष महोदय, मैं आपको सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने पर अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि आपकी तरफ से किसी भी प्रकार का पक्षपात नहीं होगा, सभी को इंसाफ मिलेगा और हमारी पार्टी का सहयोग हमे ाा आपको मिलता रहेगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल): अध्यक्ष महोदय, मैं आपको मुबारकबाद देता हूं कि जिस संवैधानिक पद पर आप सर्वसम्मति से विराजमान हुए हैं यह पूरे सदन के लिए और हरियाणा प्रदे ा की जनता के लिए गौरव की बात है। अध्यक्ष महोदय, आपने पिछले कई सालों से बड़ी नजदीकी से सदन की कार्यवाही देखी है और मुझे यह कहने में कोई आपति नहीं कि आप उन सदस्यों को वि ोश रियायत देंगे जो पहली बार चुनकर आये हैं। अगर आप ऐसा करेंगे तो विधान सभा के लिए यह बहुत ही अच्छा कार्य होगा चाहे वे नये सदस्य किसी भी दल से चुनकर आये हों (विघ्न) मैं तो पिछली दो दफा से हरियाणा विधान सभा का सदस्य बनता आ रहा हूं। अध्यक्ष्ज्ञ महोदय, आप भी देखते रहे हैं कि जो वरिश्ठ सदस्य हैं जैसे कि मंत्रीगण, मुख्य मंत्री या फिर विपक्ष के नेता जो होते हैं, उनको सदन में बोलने का ज्यादा अवसर मिल जाता है जबकि नये सदस्यों या छोटे दलों के सदस्य, जो होते हैं, उनको कई दफा बोलने का समय लेने में बड़ी

समस्या खड़ी हो जाती है। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप सभी माननीय सदस्यों को अपनी बात कहने का और उनको अपने हल्के की दुःख तकलीफें सदन रखने का पूरा अवसर प्रदान करें। अध्यक्ष महोदय, मेरी इस बात का बुरा न मानें कि जिस पद पर आप भाोभायमान हुए बैठे हैं, इस पद पर सदन के नेता मुख्य मंत्री जी के आ ीर्वाद से उन्हीं के दल के सदस्य का नाम ही प्रस्तावित किया जाता है लेकिन कई दफा सदन के अन्दर हम देखते हैं कि ऐसी—ऐसी बातें भी की जाती हैं जोकि सदन की गरिमा के विरूद्ध होती हैं। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि सदन की गरिमा को देखते हुए आप ऐसे फैसले करें जिससे किसी भी सदन के सदस्य को किसी तरह की तकलीफ न हो। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां नये विधायक जो बन कर आते हैं, दो—तीन साल तक तो उन्हें यह पता नहीं चल पाता कि कौन सी बात किस तरीके से करनी है और किसी बात का विरोध करना है तो किस तरह से करना है। जैसा कि हम दूसरे प्रदे ाों की विधानसभाओं में भी जाकर देखते हैं और दे ा की लोकसभा तथा राज्यसभा में भी जा कर देखते हैं, पिछले दिनों मुझे रोहतक जाने का मौका मिला तो वहां भी वि वविद्यालयों के अन्दर वहां के विद्यार्थियों ने हमें हमारे पार्लियामैंट सिस्टम के ऊपर पूरी लोकसभा स्तर का एक ड्रामा टाइप वहां दिखाया था कि कि तरीके से कौन सी बात कहां कही जाती है, मंत्री का क्या दायित्व है और विपक्ष का क्या दायितव है। अध्यक्ष महोदय, वैसे ही हमारी विधान सभा के सदस्यों के लिए भी अगर आप कोई इस तरह का प्रि ाक्षण केन्द्र चला सकें जिससे

कि उन्हें सदन की कार्यप्रणाली के बारे में अधिक जानकारी मिल सके या फिर कई वरिश्ठ सदस्य कोई ऐसा कार्य{म रख सकें जिससे नये सदस्यों को लाभ हो, दूसरी जो भी अच्छी बातें सदन के सदस्यों के लिए हो सकती हैं, आप करें। मुझे उम्मीद है कि इन बातों के ऊपर आप विचार करेंगे। मैं एक दफा फिर आपको अध्यक्ष पद पर आसीन होने के लिए मुबारकबाद देता हूं। धन्यवाद।

श्री जगजीत सिंह सांगवान (दादरी): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके सर्वसम्मति से चुने जाने पर मैं आपको नै ानलिस्ट कांग्रेस पार्टी की तरफ से बधाई देता हूं और आ वासन देता हूं कि हम अपनी तरफ से आपको कोई तकलीफ नहीं होने देंगे।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, मैं आप सबका हार्दिक आभार प्रकट करता हूं कि आप सबने मुझे सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर चुनकर बिठाया और आप सब ने इस गरिमा भरे पद के सम्बन्ध में बहुत सी बातें कहीं और अपने विचार प्रकट किये। मैं भी इस बात की पूरी कोि ा ा करूंगा कि जैसा यह पद है, वैसा बनकर मैं वैसे ही कार्य करूं जिससे कि न केवल हरियाणा प्रदे ा में बल्कि पूरे दे ा में हरियाणा प्रदे ा एक मिसाल बने और ऐसी कोई घटना यहां पर नहीं घटेगी जो कि कभी—कभी दूसरे प्रदे ाों की विधान सभाओं में घटती हैं। चाहे सता पक्ष है, विपक्ष है या दूसरे जो सदस्य हैं उन सब को साथ लेकर चलेंगे। सब की भावनाओं का आदर किया जाएगा और सब को सम्मान दिया

जाएगा। नये सदस्यों को समय ज्यादा मिले तो वे अच्छी तरह से अपनी बात कह सकेंगे। जो तरीके या बातें सुझाई गई हैं, इस तरह की व्यवस्था भी की जा सकती है। रूल्ज/प्रोसिजर के ऊपर कुछ लैक्चर्ज दिये जा सकते हैं जिससे कि नये सदस्यों को सदन की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी मिल सके। नये सदस्यों को भुरू में अपनी बात कहने में कुछ झिझक होती है, पूरा ज्ञान नहीं होता है जिसके कारण वे अपने हल्के से संबंधी समस्याओं को सदन में कह नहीं पाते। इसलिए उनकी झिझक खत्म करने व सदन में ठीक ढंग से सुझाव देने के लिये कुछ दिनों के लिए ट्रेनिंग कैम्प लगाये जा सकते हैं। दलाल साहब ने यह एक अच्छा सुझाव दिया है। मैं चाहूंगा कि आप सब का सहयोग मुझे मिलता रहे और आपके सहयोग से प्रजातंत्र को मजबूत करने में अपनी योग्यता से आंखें और मन खोलकर अपने दिमाग से काम करने की चेश्टा करूंगा।

13.00 बजे

मैं आज से इण्डियन ने ानल लोकदल के जनरल सैक्रेटरी के पद से और उसकी मैम्बरि ाप से त्यागपत्र देता हूं ताकि मैं निश्पक्ष होकर काम कर सकूं। मैं आप सभी को पूरा भरोसा और यकीन दिलाता हूं कि मैं किसी के साथ भेदभाव और पक्षपात का रवैया नहीं अपनाऊंगा। साथ ही साथ मैं सभी सदस्यगण की भावनाओं का आदर और सम्मान करूंगा और मैं यह भी उम्मीद करूंगा कि मुझे भी सभी मैम्बर्ज की तरफ से हाउस की

कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में भरपूर सहयोग मिलेगा। मैं सभी सदस्यगण से उम्मीद रखूंगा कि वे इस सदन की कार्यवाही चलाने में अपनी रचनात्मक भूमिका निभाएंगे ताकि मैं इस गरिमामय पद की भाोभा को बनाए रख सकूं। अन्त में मैं पुनः आप सभी का धन्यवाद करता हूं तथा आप सभी ने मुझ में अपना जो वि वास जताया है उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। धन्यवाद।

उपाध्यक्ष के चुनाव संबंधी घोशणा

Mr. Speaker: Under Rule 10(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I as a Speaker of the Haryana Vidhan Sabha will declare a date in connection with the election of the Deputy Speaker later on.

Hon'ble Members, as the Governor is to address the House today at 2.30 P.M. therefore, the House is adjournedc till immediately half an hour after the conclusion the the Governor's Address.

13.02 Hrs.

(The Sabha then *adjourned till immediately half an hour after the conclusion of the Governor's Address on Thursday, the 9th March, 2000).